जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उ0प्र0

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, U.P

पत्रांक जे0एन0सी0यू0 / सा0प्र0(आर0 कैम्प)/195/2018 दिनांक 28.11..2018

सेवा में,

प्राचार्य / प्राचार्या,
समस्त राजकीय एंव अनुदानित महाविद्यालय ,
जनपद बलिया ,

विषय: **शोध पर्यवेक्षक बनाये जाने हेतु नामावली तैयार किये जाने के सम्बन्ध में ।**

महोदय / महोदया,

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम.फिल. / पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड एंव प्रकिया) विनियम ,2016 के आलोक में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया द्वारा शोध अध्यादेश –2018 तैयार किया गया हैं , जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.jncu.ac.in** पर उपलब्ध हैं। आपके महाविद्यालय में स्थायी रुप से कार्यरत जो शिक्षक शोध अध्यादेश –2018 के नियम 5.0 में अंकित अर्हता पूरी करते हैं ,वह विश्वविद्यालय द्वारा शोध पर्यवेक्षक बनाये जाने हेतु निर्धारित प्रारुप पर आवेदन कर सकते हैं। प्रारुप संलग्न हैं। सम्बन्धित शिक्षक द्वारा प्रेषित आवेदन पत्र सम्बन्धित प्राचार्य द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए।

आवेदन पत्र विश्वविद्यालय में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2018 हैं।

संलग्न..यथोपरि

भवदीय,

(संजय कुमार)
कुलसचिव

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. माननीय कुलपति जी को सूचनार्थ
2. उप कुलसचिव को इस आशय से प्रेषित कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने के सम्बन्ध में

(संजय कुमार)
कुलसचिव

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश

शोध निर्देशक पंजीकरण आवेदन पत्र– 2018–19

नवीनतम स्वप्रमाणित फोटो

1. विषय/विभाग/संकाय .....
2. नाम (हिन्दी में) .....
   (अंग्रेजी के कैपिटल लेटर में).....
3. जन्मतिथि (01.07.2018) को आयु.....दिन.....माह.....वर्ष.....
4. पुरूष/महिला .....
5. पता(स्थायी).....
   .....
6. पत्र व्यवहार का पता (पिनकोड सहित).....
   .....
   मोबाईल/दूरभाष नं0.....ई–मेल.....आधार कार्ड नं0.....
7. महाविद्यालय/संस्थान से सम्बन्धित विवरण (जहॉ वर्तमान में कार्यरत है)
   महाविद्यालय/संस्थान का नाम एवं पता.....
   मौलिक नियुक्ति तिथि .....
   वर्तमान पद एवं विभाग .....
   सम्बन्धित विषय/विभाग में स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षा संचालन प्रारम्भ होने का वर्ष.....
   .....
   (स्थायी/अस्थायी).....
8. सम्बन्धित विश्वविद्यालय से प्राप्त शोध उपाधि का विवरण (उपाधि प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न किया जाय)
   शोध उपाधि का नाम (डी0फिल0, पी0–एच0डी0, डी0लिट्0 इत्यादि).....
   विषय/पाठ्यक्रम.....
   शोध–प्रबन्ध का शीर्षक.....
   .....
   शोध उपाधि प्राप्त किये जाने का वर्ष.....
   विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम जहॉ से शोध उपाधि प्राप्त की गयी है.....
   .....
9. शिक्षण कार्य का अनुभव (यदि वर्तमान शिक्षण संस्था के अतिरिक्त शिक्षण अनुभव है और उसे जोड़कर अर्हता पूरी हो रही है तो उस महाविद्यालय/संस्थान के सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत अनुभव प्रमाणपत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है)
   स्नातक या समकक्ष अनुभव .....वर्ष.....माह.....
   स्नातकोत्तर या समकक्ष अनुभव .....वर्ष.....माह.....
10. सम्बन्धित विषय में शिक्षण एवं शोधकार्य में विशेषज्ञता का क्षेत्र.....
    .....
11. अनुसंधान संस्थान/परियोजना में कार्यानुभव का विवरण (प्रामाणित प्रमाण पत्र की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति संलग्न करें)

संस्थान /परियोजना का नाम .....

.....

पद का नाम जिस पर कार्यरत थे.....

कार्यवधि (कब से कब तक).....

12. शोध उपाधि के अतिरिक्त अब तक किये गये अनुसंधान/शोधकार्य/पुस्तक लेखन/संपादन इत्यादि का विवरण (सुविधानुसार अलग–अलग प्रपत्र पर संलग्न किया जा सकता है)

13. यदि पूर्व में किसी अन्य विश्वविद्यालय में शोध–निर्देशक के रूप में पंजीकृत/अनुमोदित थे तो पंजीकरण/अनुमोदन के प्रमाण पत्र की स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति एवं शोध निर्देशक के रूप में निष्पादित कार्यों का विवरण.....

.....

14. प्रकाशित शोधपत्रों का विवरण (न्यूनतम दो शोधपत्र, शोध पत्रिकाओं के जिस अंक में प्रकाशित हुए हैं, उनके ISBN/ISSN नंबर सहित कवर पेज, विषय सूची जिसमें आवेदित शिक्षक का शोधपत्र प्रदर्शित हो, प्रकाशित शोधपत्रों की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करें। आवेदक शिक्षको द्वारा स्वेच्छानुसार अब तक प्रकाशित अपने सभी शोधपत्रों का विवरण अलग–अलग प्रपत्र पर अंकित कर संलग्न किया जा सकता है)

.....

.....

.....

15. अपने आवेदन के समर्थन में यदि कोई अन्य विवरण देना चाहें तो अलग–अलग प्रपत्र पर स्वहस्ताक्षरित कर संलग्न किया जा सकता है।

<u>आवेदन कर्त्ता शिक्षक का घोषणा–पत्र</u>

मै.....करता/करती हूँ कि उपरोक्त समस्त विवरण/सूचनाएँ सत्य हैं। इनमें किसी भी सूचना/विवरण के असत्य पाये जाने पर मेरा आवेदन निरस्त कर मेरे विरूद्ध दण्डात्मक/अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

(शिक्षक के हस्ताक्षर एवं दिनांक)

संलग्नकों की क्रमवार सूची:–

1.
2.
3.

<u>महाविद्यालय/संस्थान द्वारा प्रमाणपत्र एवं अग्रसारण</u>

प्रमाणित किया जाता है कि इस महाविद्यालय/संस्थान में..... विषय/पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर स्तर पर 05 वर्ष/05 वर्ष से अधिक समय से कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। महाविद्यालय/संस्थान में अनुसंधान हेतु आवश्यक अवस्थापना सुविधाएँ उपलब्ध हैं और उनका प्रयोग अनुसंधान कार्य हेतु अनुमन्य रहेगा। एतद्द्वारा ..... डॉ0.....के आवेदन पत्र को अग्रसारित किया जाता है।

दिनांक :–

(प्राचार्य/निदेशक/विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर, सील सहित)

(महाविद्यालय स्तर पर प्राचार्य, संस्थान स्तर पर निदेशक एवं विश्वविद्यालय परिसर स्तर पर विभागाध्यक्ष द्वारा अग्रसारित कराना अनिवार्य होगा)